prof. Randhir Kr Singh
ASSO prof.
Dept of sociology.
Patna College. P.U

B.A. Part — I
Paper — I

M— 9546991571.

TOPIC — Anthropology is the study of man & culture sociology studies the some phenomena as they are at present.

Relation between sociology and Anthropology — समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र इतने अधिक पास-पास हैं कि कभी-कभी ऐसा प्रतीत होता है कि मानो एक क्षेत्र के दो नाम रख दिये गये हैं।

A.L. Kroeber के अनुसार "समाजशास्त्र और मानवविज्ञान दो जुड़वाँ बहनों के समान हैं।"

Anthropology का शाब्दिक अर्थ मानव का अध्ययन है अर्थात् मानव जाति के अध्ययन से सम्बन्धित है। मानव का अध्ययन क्षेत्र बड़ा ही विस्तृत है। इसके तीन विभाग किये गये हैं:—

(1) Physical Anthropology के अन्तर्गत आदिकालिन मानव और उनके समकालिन आदिवासियों का अध्ययन आता है।

(2) Cultural Anthropology में पहले जमाने के मानव और उनके कुछ समकालिन आदिवासीयों के सांस्कृतिक अवशेषों की छानबीन होती है।

(3) Social Anthropology का सम्बन्ध भूतकाल और वर्तमान काल के आदिवासियों की संस्थाओं और मानवीय सम्बन्धों से है।

अतः मानवशास्त्र अपना समस्त ध्यान प्राचीनकालीन मानव और उनकी संस्कृति के क्रमशः विकास पर आकृष्ट करता है। समाजशास्त्र उसी प्रपंच के वर्तमान कालीन रूप का अध्ययन करता है।

मानव द्वारा प्रस्तुत की गयी सामग्री पर समाजशास्त्र बहुत कुछ आधारित है। वास्तव में समाजशास्त्र का ऐतिहासिक भाग सांस्कृतिक मानवशास्त्र से बिलकुल

मिलता जुलता है। मानवशास्त्र ने समाजशास्त्र के अध्ययन में पर्याप्त योगदान किया है। समाजशास्त्र को वर्तमान-कालीन प्रपंच को समझने के लिये, अतीत के ज्ञान के लिए मानवशास्त्र के ज्ञान पर आश्रित रहना पड़ता है। इसी प्रकार समाजशास्त्रियों के कुछ निर्णयों ने मानवशास्त्रियों की भी पर्याप्त सहायता की है। उदाहरण के लिए, Morgan जैसे मानवशास्त्री और उनके अनुयायी हमारे वर्तमानकालिन समाज में किसी समस्या की व्याख्या से ही प्राचीनकाल में साम्यवाद की स्थिति के निर्णय तक पहुंचे है।

Robert Redfield के आधार पूरे संयुक्त राज्यअमेरिका डालने से यह सिद्ध होता है कि समाजशास्त्र और मानवशास्त्र में राजनीति और मानवशास्त्र की अपेक्षा अधिक अधिक सम्बन्ध है।

इन दोनों विज्ञानों की अन्योन्याश्रितता होते हुए भी दोनों में पर्याप्त अन्तर है। मानवशास्त्र प्रकृतिवाद से सामाजिक संस्थाओं से सम्बन्ध है।

दूसरे, मानवशास्त्र छोटी-छोटी और गतिहीन संस्कृतियों का अध्ययन करता है परन्तु समाजशास्त्र के अन्तर्गत व्यापक, सजीव और गतिशील समस्याओं का अध्ययन होता है। यही कारण है कि समाजशास्त्र की अपेक्षा मानवशास्त्र का विकास अधिक तेजी से और अच्छी तरह से हुआ है।

तीसरे, मानवशास्त्र व्यक्ति और उनकी संस्कृति के प्राचीनकाल विकास का अध्ययन है। जबकि समाजशास्त्र उन दोनों के वर्तमानकालीन स्वरूप का अध्ययन करता है।

— x —